University in News on 29 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

शैक्षणिक संस्थानों व उद्योग जगत में सहयोग जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

मंत्री असीम अरुण ने लखनऊ विवि में तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव इंसुला का किया आगाज

लखनऊ। लविवि में मनोविज्ञान विभाग के प्साइकी हब क्लब की ओर से तीन दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक और साहित्यिक महोत्सव 'इंसुला: रचनात्मक मस्तिष्कों का द्वीप' का आगाज हुआ। इसमें छात्रों ने कला व साहित्य के रंग बिखेरे।

कार्यक्रम में मंत्री असीम अरुण। -संवाद

एपी सेन सभागार में मुख्य अतिथि समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और विशिष्ट अतिथि महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन 1090 में पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने इसका शुभारंभ किया। मंत्री ने विकसित भारत के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, ऐसे आयोजनों से छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास होता है। समापन आरजे प्रतीक भारद्वाज और डॉ. मनीष श्रीवास्तव के संवाद सत्र से हुआ। इसमें गीता के संदेशों की छात्र जीवन में प्रासंगिकता पर विमर्श हुआ।

आयोजन में शहर के 23 विवि व कॉलेजों के छह हजार विद्यार्थी शामिल हुए। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन और डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

ओपन माइक में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ। लविवि के नवीन परिसर में सोमवार को अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की सांस्कृतिक परिषद इनलिट ने ओपन माइक कार्यक्रम माइक मवेरिक का आयोजन किया। संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने कहा, सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (संवाद)

NBT PAGE 2

रील, पोस्टर से उठाया आतंकवाद का मुद्दा

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के सायकॉलजी विभाग की ओर से सोमवार को इंटर कॉलेज फेस्ट इंसुला की शुरुआत हुई। पहले दिन क्रियेटिव माइंड टैलेंट प्रतियोगिताओं के तहत पोस्टर मेकिंग, रील, डांस, मोनो एक्ट और पोएट्री प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें अलग अलग कॉलेजों से आए प्रतिभागियों ने अपने टैलेंट दिखाया। रील, पोस्टर और मोनो एक्ट के माध्यम से छात्रों ने सामाजिक मुद्दे उठाए।

इसमें कई छात्रों ने आतंकवाद के मुद्दे पर भी रील और पोस्टर के माध्यम से समाज को जागरूक करने के साथ एकता का संदेश दिया। मौके पर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता है। यह मंच युवाओं को अपनी सृजनात्मक क्षमता और बौद्धिकता को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

इस तरह के आयोजनों से छात्रों की प्रतिभा निखर कर सामने आती है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि एलयू के छात्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है। हम छात्रों के बीच इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर उनका ओवर ऑल डिवेलपमेंट हो सके इस पर प्रयास कर रहे हैं।

एलयू के सायकॉलजी विभाग में इंटर कॉलेज सांस्कृतिक फेस्ट इंसुला का आगाज, दिखा टैलंट

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू कुलपति ने किया पुस्तक विमोचन

लखनऊ। खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में शारीरिक शिक्षा विभाग की डॉ. चेतना सामंत तोमर और प्राचीन इतिहास विभाग की डॉ. पारुल सिंह की संपादित पुस्तक मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन रिसर्च, स्पोर्ट्स एंड ह्यूमन डेवलपमेंट का विमोचन एलयू कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने किया। इस पुस्तक में शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान पर शोधपत्र हैं।

एलयू छात्रों ने ओपन माइक में बांधा समां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की सांस्कृतिक परिषद इनलिट ने सोमवार को माइक मवेरिक नामक ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया। संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने शुभारंभ करते हुए कहा कि शिक्षा संग सांस्कृतिक आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने ओपन माइक में प्रतिभा दिखाई।

विधि प्रतियोगिता की विजेता बनीं प्रतिभा, कृतिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि संकाय के विद्यार्थियों ने सुप्रीमस डी कॉन्स्टीट्यूशन नामक राष्ट्रीय संवैधानिक विधि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सफलता हासिल की। इस मुकाबले में एलएलबी (ऑनर्स) दसवें सेमेस्टर की छात्रा प्रतिभा खत्री प्रथम और कृतिका सिंह द्वितीय स्थान ने प्राप्त किया। विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र दिए गए। डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बधाई दी।

छात्रों की प्रतिभा को मिला मंच कला, साहित्य के रंग बिखरे

एलयू में तीन दिवसीय इंटर कॉलेज फेस्ट इंसुला का आगाज सोमवार से हुआ।

फेस्ट

छह हजार छात्र जुड़े

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में मनोविज्ञान विभाग के साइकी हब क्लब की ओर से अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक और साहित्यिक महोत्सव 'इंसुला: रचनात्मक मस्तिष्कों का द्वीप' का आयोजन हुआ। तीन दिवसीय फेस्ट के पहले दिन विद्यार्थियों के विचारों और प्रतिभा के साथ रचनात्मकता, साहित्यिकता और कला के रंग बिखरे।

एपी सेन सभागार में मुख्य अतिथि समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और विशिष्ट अतिथि महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन 1090 में पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने शुभारंभ किया। मंत्री असीम अरुण ने विकसित भारत के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास होता है।

पहले दिन उद्घाटन समारोह के बाद कई तरह के कार्यक्रम हुए। दिन का समापन प्रसिद्ध आरजे प्रतीक भारद्वाज और डॉ. मनीष श्रीवास्तव के संवाद सत्र से हुआ, जिसमें भगवद्गीता के संदेशों और उनके छात्र जीवन में प्रासंगिकता पर विमर्श हुआ। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन और डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा समेत कई अन्य उपस्थित रहे। लगभग छह हजार छात्रों ने प्रतिभाग किया।

JAGRAN CITY PAGE III

नृत्य और कला में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से सोमवार को तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव 'इंसुला-रचनात्मक मस्तिष्कों का द्वीप' की शुरुआत हुई। एपी सेन हाल में इसका उद्घाटन समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और पुलिस अधीक्षक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090) वृंदा शुक्ला ने किया। इसमें चौबीडी, एमिटी, आइटी, अवध कालेज, नेशनल कालेज, नवयुग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, शिवा पीजी कालेज, एकेटीयू, आइआइएम, बीबीएयू सहित 30 कालेजों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

राज्य मंत्री असीम अरुण ने विकसित भारत अभियान के दौरान शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के पेशेवरों के बीच सक्रिय सहयोग की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह की एक इंटरैक्टिव पहल के लिए टीम को बधाई भी दी। एपी सेन हाल, मनोविज्ञान विभाग सहित अलग-अलग स्थान पर हुए इंटर कालेज फेस्ट के पहले दिन वाइसेस इन कलर (पोस्टर मेकिंग) में छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया। मोनोएक्ट में प्रतिभागियों ने अपने एकल प्रदर्शनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक एकल नृत्य, युगल/समूह नृत्य और क्विज प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। मनोविज्ञान विभाग में कविता पाठ हुआ। रील मेकिंग और स्केच रूम और ड्रहल ड्यूल कार्यक्रम भी हुए। विभाग की कोआर्डिनेटर डा. मानिनी श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा भी उपस्थित रहे।

लवि में तीन दिवसीय इंटर फेस्ट इंसुला कार्निवाल के दौरान पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं • सौजन्य से लवि

प्रतिभा प्रथम, कृतिका ने जीता तीसरा स्थान

लखनऊ : कानूनवाइज एकेडमी और आदि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुई "सुप्रीमस डी कांस्टीट्यूशन विषयक राष्ट्रीय संवैधानिक विधि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित की। देशभर के प्रतिष्ठित विधि संस्थानों के प्रतिभागियों के बीच हुए इस कड़े मुकाबले में लवि के एलएलबी (आनर्स) दसवें सेमेस्टर की छात्रा प्रतिभा खत्री ने पहला और कृतिका सिंह ने तीसरा स्थान जीता। विजेताओं को ट्राफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के लिए विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने उन्हें बधाई दी। (जासं)

लवि कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

पुस्तक विमोचन में डा. पारुल सिंह, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्राचार्य प्रो. अंशु केडिया, डा. चेतना सामंत तोमर, डा. शगुन रोहतगी उपस्थित रहीं • लवि

लवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने सोमवार को अपने कक्ष में खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कालेज की शारीरिक शिक्षा विभाग की डा. चेतना सामंत तोमर और प्राचीन इतिहास विभाग की डा. पारुल सिंह द्वारा संपादित पुस्तक "मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन रिसर्च, स्पोर्ट्स एंड ह्यूमन डेवलपमेंट" का विमोचन किया। पुस्तक में शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, अंग्रेज़ी आदि विषयों से संबंधित विशेषज्ञों के 41 शोध पत्र संकलित हैं। कार्यक्रम में शोध, खेलकूद एवं मानव विकास के विविध पहलुओं पर आधारित इस पुस्तक का महत्व बताया गया। पुस्तक के संपादन एवं प्रकाशन में प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विषय के विशेषज्ञ प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। विमोचन पर प्राचार्य प्रो. अंशु केडिया व डा. शगुन रोहतगी उपस्थिति रहीं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि : छात्रों ने राष्ट्रीय विधि प्रश्नोत्तरी में लहराया परचम

लखनऊ। क़ानूनवाइज़ एकेडमी व आदि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मार्च 2025 को आयोजित 'सुप्रीमस डी कॉन्स्टीट्यूशन' नामक राष्ट्रीय संवैधानिक विधि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की।

देशभर के प्रतिष्ठित विधि संस्थानों के प्रतिभागियों के बीच हुए मुकाबले में विश्वविद्यालय की एलएलबी (ऑनर्स) दसवें सेमेस्टर की छात्रा प्रतिभा खत्री ने प्रथम व कृतिका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र 26 अप्रैल को आयोजित एक समारोह में दिया गया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रतिभा खत्री व कृतिका सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय के विधि संकाय के डीन प्रो डॉ. वीडी सिंह से भेंट की।

प्रो. गौरी सक्सेना को उपमुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रो. गौरी सक्सेना ने कुलपति प्रो. आलोक राय के नेतृत्व में उद्यान विभाग द्वारा प्रायोजित खाद्य प्रसंस्करण स्टार्टअप्स का तृतीय पक्ष निरीक्षण संपन्न कराया। उनके इस योगदान के लिए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि लविवि के लिए गर्व का विषय है, जो विश्वविद्यालय की अनुसंधान, नवाचार और उद्योग सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

PIONEER PAGE 3

विकसित भारत के लिए शैक्षणिक संस्थानों व उद्योग जगत के बीच सहयोग आवश्यक: असीम अरुण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा प्साइकी हब क्लब के तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव इंसुला - रचनात्मक मस्तिष्कों का द्वीप का सोमवार को भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल असीम अरुण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार ने विकसित भारत के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इंसुला जैसे नवाचारी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच युवाओं को अपनी सृजनात्मक क्षमता और बौद्धिकता को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल पुलिस अधीक्षक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090) वृंदा शुक्ला ने सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, अपने व्यक्तिगत अनुभवों का उल्लेख करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि किस प्रकार शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियाँ जीवन को संतुलित बनाती हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने उद्बोधन में मनोविज्ञान विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास होता है और विश्वविद्यालय का रचनात्मक वातावरण भी समृद्ध होता है। इस अवसर पर प्रो. मनुका खन्ना (प्रो-वीसी), अरविंद मोहन (डीन, कला संकाय) एवं प्रो. वी.के. शर्मा (डीन स्टूडेंट वेलफेयर) समेत कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के उपरांत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। दिन का समापन प्रसिद्ध आरजे प्रतीक भारद्वाज और डॉ. मनीषी श्रीवास्तव के संवाद सत्र से हुआ, जिसमें भगवद्गीता के संदेशों और उनके छात्र जीवन में प्रासंगिकता पर विमर्श हुआ। यह संवाद छात्रों के लिए प्रेरणा एवं आत्मचिंतन का एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

शैक्षणिक संस्थानों व उद्योग जगत के बीच सहयोग जरूरी : असीम अरुण

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में सोमवार को प्साइकी हव क्लव के तत्वावधान में तीन दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव द आइसलैंड ऑफ क्रिएटिव माइंड (इंसुला) का शुभारम्भ किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में असीम अरुण, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वृंदा शुक्ला, पुलिस अधीक्षक, महिला एवं वाल सुरक्षा संगठन (1090) उपस्थित थी।

इस दौरान असीम अरुण ने विकसित भारत के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के वीच मजवूत सहयोग की आवश्यकता पर वल दिया। उन्होंने इंसुला जैसे नवाचारी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच युवाओं को अपनी सृजनात्मक क्षमता और वौद्धिकता को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि वृंदा शुक्ला ने सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभवों का उल्लेख किया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि किस प्रकार शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियाँ जीवन को संतुलित वनाती हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मनोविज्ञान विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों का समग्र व्यक्तित्व विकास होता है और विश्वविद्यालय का रचनात्मक वातावरण भी समृद्ध होता है।

कार्यक्रम का संयोजन डा. मनिनी श्रीवास्तव, समन्वयक, मनोविज्ञान विभाग ने किया। इस अवसर पर प्रो. मनुका खन्ना (प्रो-वीसी), अरविंद मोहन (डीन, कला संकाय) एवं प्रो. वी.के. शर्मा (डीन स्टूडेंट वेलफेयर) समेत कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के उपरांत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। दिन का समापन प्रसिद्ध आरजे प्रतीक भारद्वाज और डा. मनिनी श्रीवास्तव के संवाद सत्र से हुआ, जिसमें भगवद्गीता के संदेशों और उनके छात्र जीवन में प्रासंगिकता पर विमर्श हुआ। इंसुला के पहले दिन ने कलात्मक, प्रदर्शन-आधारित और वौद्धिक रूप से उत्तेजक गतिविधियों का एक समृद्ध मिश्रण प्रस्तुत किया।

लविवि के कुलपति ने किया पुस्तक का लोकार्पण

लखनऊ। खुन खुन जी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज की शारीरिक शिक्षा विभाग की डा. चेतना सामंत तोमर और प्राचीन इतिहास विभाग की डा. पारुल सिंह द्वारा संपादित पुस्तक 'मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन रिसर्च, स्पोर्ट्स एंड ह्यूमन डेवलपमेंट' का विमोचन लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस पुस्तक में शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान आदि विषयों से संबंधित विभिन्न विशेषज्ञों के 41 शोध पत्र संकलित हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं मानव विकास के नवीन दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया एवं डा. शगुन रोहतगी विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहीं। पुस्तक के संपादन एवं प्रकाशन में प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विषय, लविवि के विशेषज्ञ प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

समय से पहले भी परीक्षा पास कर सकते हैं छात्र

मूक कोर्स के तहत लविवि छात्रों को एक कोर्स ऑनलाइन पढ़ने का विकल्प देगा। यदि छात्र उस पाठ्यक्रम को समय से पहले पूरा करते हैं तो फाइनल इयर के पहले परीक्षा दे सकते हैं, मूक्स पाठ्यक्रमों की मैपिंग विवि ने की पूरी तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले सेमेस्टर की परीक्षा होने से पहले ही छात्र अब परीक्षा दे सकते हैं। विश्वविद्यालय ने मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स को लागू किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्वयं पोर्टल पर ऑनलाइन मूक कोर्स को लखनऊ विश्वविद्यालय अपने सिलेबस के हिसाब से मैपिंग की प्रक्रिया को पूरी कर चुका है। विश्वविद्यालय के सिलेबस से जो पाठ्यक्रम आपस में मैच करेंगे उन्हें छात्र कर सकते हैं। इससे छात्रों को ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन भी पढ़ने का विकल्प मिल सकेगा। इसका छात्रों को सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि वह यदि अंतिम वर्ष का प्रश्नपत्र पहले पास कर लेते हैं तो उसे दोबारा नहीं पढ़ना होगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसे देशभर में लागू कर दिया है। यूजीसी की ओर से स्नातक व परास्नातक की डिग्री निर्धारित समय से पहले भी पास करने का ड्राफ्ट तैयार किया है। ऐसे में यह मूक्स कोर्स छात्रों के लिए फायदेमंद साबित होगा और उनके समय की बचत होगी। इसके तहत लखनऊ विश्वविद्यालय हर पाठ्यक्रम में कुछ प्रश्नपत्र ऑनलाइन पढ़ने का विकल्प दिया जाएगा। छात्र ने विश्वविद्यालय की ओर से सुझाए गए किसी प्रश्नपत्र को मूक्स के माध्यम से पढ़कर परीक्षा पास कर ली है तो उसके क्रेडिट छात्र के एकेडमिक बैंक क्रेडिट अकाउंट में जुड़ जाएंगे। इसके बाद जब परीक्षा होगी तो छात्र को विश्वविद्यालय में उस प्रश्नपत्र की परीक्षा नहीं देनी होगी।

छात्रों को यह होगा फायदा : ज्यादातर छात्र अंतिम वर्ष में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुट जाते हैं अथवा अगले पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा देने की तैयारी करते हैं। ऐसे छात्रों को तैयारी करने का पूरा अवसर मिलेगा। यूजीसी के नियम के अनुसार जो भी विश्वविद्यालय नैक में बेस्ट ग्रेडिंग प्राप्त करता है उस विश्वविद्यालय के छात्रों को यह अवसर उपलब्ध कराने को मूक्स पाठ्यक्रम शुरू करने का मौका मिलता है।

राष्ट्रीय विधि प्रश्नोत्तरी में लविवि छात्रों का दबदबा

अमृत विचार, लखनऊ : क़ानूनवाइज़ एकेडमी और आदि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 23 मार्च को संपन्न सुप्रीमस डी कॉन्स्टीट्यूशन नामक राष्ट्रीय संवैधानिक विधि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित की। देशभर के प्रतिष्ठित विधि संस्थानों के प्रतिभागियों के बीच हुए इस कड़े मुकाबले में विश्वविद्यालय की एलएलबी (ऑनर्स) दसवें सेमेस्टर की छात्रा प्रतिभा खत्री ने प्रथम स्थान तथा उनकी सहपाठी कृतिका सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को उनके ट्रॉफी और प्रमाण पत्र 26 अप्रैल को प्रदान किए गए। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रतिभा खत्री और कृतिका सिंह ने विधि संकाय के डीन प्रोफेसर (डॉ.) बीडी सिंह से भेंट कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

माइक मवेरिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की सांस्कृतिक परिषद इनलिट द्वारा माइक मवेरिक नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर एके सिंह, संकाय के शिक्षकगण डॉ. सव्य सांची, डॉ. रचना पाठक, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. खुशबू वर्मा और निधि श्रीवास्तव उपस्थित रहे। संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा पर प्रकाश डाला।

प्रो. गौरी को उपमुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रो. गौरी सक्सेना ने प्रदेश सरकार के उद्यान विभाग द्वारा प्रायोजित खाद्य प्रसंस्करण स्टार्टअप्स का तृतीय पक्ष निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न कराया। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

प्रो. आलोक राय ने पुस्तक का किया विमोचन

लखनऊ। खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज की शारीरिक शिक्षा विभाग की डॉ. चेतना सामंत तोमर और प्राचीन इतिहास विभाग की डॉ. पारुल सिंह द्वारा संपादित पुस्तक मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन रिसर्च, स्पोर्ट्स एंड ह्यूमन डेवलपमेंट का विमोचन लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने सोमवार को किया। यह विमोचन कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुआ। इस पुस्तक में शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान आदि विषयों से संबंधित विभिन्न विशेषज्ञों के 41 शोध पत्र संकलित हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं मानव विकास के नवीन दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम में शोध, खेलकूद एवं मानव विकास के विविध पहलुओं पर आधारित इस पुस्तक के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जो अकादमिक जगत और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

लविवि की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा पर डाला प्रकाश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की सांस्कृतिक परिषद इनलिट द्वारा सोमवार को माइक मवेरिक नामक एक ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह तथा संकाय के शिक्षकगण डॉ. सव्य सांची, डॉ. रचना पाठक, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. खुशबू वर्मा और निधि श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ ऐसे सांस्कृतिक आयोजन छात्रों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जहां वे अपनी रचनात्मकता, वाकपटुता, और कला प्रतिभा को खुले मंच पर प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञान की प्रकाश-ज्योति से जीवन के अंधकार को मिटाया जा सकता है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से छात्र कविता पाठ, संवाद, गायन जैसी विधाओं में अपनी अभिव्यक्ति को निखार सकते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कविता पाठ, हास्य व्यंग्य, और मधुर गीतों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को संगीतमय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। माइक मवेरिक के आयोजन में इनलिट के छात्र प्रमुख शिखर द्विवेदी, परिषद के सभी सक्रिय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ, जिसने उनके आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक क्षमताओं को नया आयाम प्रदान किया।

पुस्तक का लोकार्पण करते कुलपति डॉ. आलोक राय व शिक्षिकाएं।

मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन रिसर्च का कुलपति ने किया लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ : खुनखुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज की डॉ. चेतना समंत तोमर और डॉ. पारुल सिंह द्वारा संपादित पुस्तक मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोचेज इन रिसर्च, स्पोर्ट्स एंड ह्यूमन डेवलपमेंट का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस अवसर पर खुनखुन जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्या प्रो. अंशु केडिया और डॉ. शगुन रोहतगी मंच पर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में शोध, खेलकूद एवं मानव विकास के विविध पहलुओं पर आधारित इस पुस्तक के महत्व पर प्रकाश डाला गया। जो अकादमिक जगत और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इस पुस्तक के संपादन एवं प्रकाशन में प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विषय, लखनऊ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ प्रो. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

शोध का लाभ जनता को मिलना चाहिए

अमृत विचार, लखनऊ : विकसित देशों में सरकार के लगभग सभी विभागों में विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ भी रखे जाते हैं। विश्वविद्यालयों के शोध का लाभ सरकार और जनता दोनों को मिलता है। हमने भी इस अच्छी परंपरा को शुरू किया है। समाज कल्याण विभाग के डाटा का उपयोग मनोविज्ञान के छात्रों को शोध में करना चाहिए। उक्त बातें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने लखनऊ विश्वविद्यालय मे आयोजित कार्यक्रम में कही। वह विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा प्साइकी हब क्लब के तीन दिवसीय अंतरमहावि